संख्या-14/2016-सा-3-341/दस-2016-944/88

प्रेषक,

नील रतन कुमार,
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1-समस्त प्रमुख सचिव/सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।
2-समस्त विभागाध्यक्ष/प्रमुख कार्यालयाध्यक्ष,
उत्तर प्रदेश।

वित्त (सामान्य) अनुभाग-3 लखनऊ : दिनॉक 12 मई, 2016

विषय :- सेवानिवृत्त कार्मिकों को उनकी सेवा पुस्तिका हस्तगत कराया जाना।

महोदय,

उपर्युक्त विषय के संबंध में संयुक्त पेंशनर्स समन्वय समिति, उत्तर प्रदेश के पत्र दिनांक 21.02.2016 द्वारा अवगत कराया गया है कि पेंशनर्स को उनकी सेवा पुस्तिका उपलब्ध नहीं करायी जा रही है जबकि वित्तीय हस्त पुस्तिका में इस संबंध में व्यवस्था विद्यमान है। पेंशनर्स के पास अपनी सेवा संबंधी विवरण उपलब्ध न होने के कारण उन्हें असुविधा का सामना करना पड़ता है। समन्वय समिति द्वारा अनुरोध किया गया है कि वित्तीय हस्त पुस्तिका की व्यवस्थानुसार पेंशनर्स को सेवा पुस्तिका उपलब्ध कराये जाने हेतु एक औपचारिक आदेश निर्गत कर दिया जाय।

2- उपर्युक्त के संबंध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय हस्त पुस्तिका के खण्ड-2 भाग-2 से 4 में संकलित सहायक नियम 136 (क) जिसका उद्धरण संलग्न है, में दी गयी व्यवस्थानुसार सम्बन्धित प्राधिकारियों द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित की जाये।

भवदीय,
नील रतन कुमार
विशेष सचिव।

संलग्नक - यथोक्त।

संख्या-14/2016-सा-3-341(1)/दस-2016-944/88, तददिनॉक

प्रतिलिपि संयुक्त पेंशनर्स समन्वय समिति, उत्तर प्रदेश, मानस विहार, पूर्वांचल नगर, लखनऊ।

आज्ञा से,
नील रतन कुमार
विशेष सचिव।

--2/-

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है।

संख्या-14/2016-सा-3-341/दस-2016-944/88 का संलग्नक

वित्तीय हस्त पुस्तिका के खण्ड-2 भाग-2 से 4 में संकलित सहायक नियम 136 (क) का उद्धरण

136-A. If a government servant reties on reaching the age of superannuation his service book may, if desired, be returned to him after his pension has been finally sanctioned. Where the service book is not given up, it should be retained for a period of five years after retirement or until six months after the government servant's death, whichever is earlier, after which it should be destroyed. In the event of a government servant's service terminating by his death, his service book may be given to his relatives on application. Should no application be made within six months of the death of the government servant, the service books should be destroyed.

The service book of a government servant who retires, resigns or is discharged from the service without fault prior to his reaching the age of superannuation, should not be given up to him before the expiry of five years from the date of retirement, resignation or discharge. If he applies for it within six months after the expiry of this period, it may be given to him after an entry about his retirement, resignation or discharge has been made therein. Should no application be made within this time-limit, the service book may be destroyed. In the case of the government servant's death, the service book should be destroyed after six months from the date of death or returned to his relatives if they apply for it within that period.

When a government servant's service is terminated by dismissal or removal, his service book should be retained for a period of five years after the date of dismissal or removal or until six months after his death, whichever is earlier, after which it should be destroyed.

The service book of a government servant who has been dismissed or removed and who is afterwards reinstated should on requisition be returned to the head of the office in which he re-employed. A similar course should be adopted when a government servant has been discharged without fault or has resigned and is subsequently re-employed.

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है।